RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 07 DECEMBER TO 13 DECEMBER 2022 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 08 ■ अंक 12 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

डॉलर के वर्चस्व को तोड़ने का जुनून सवार रूसी पीएम मिखाइल ने की देशी मुद्रा इस्तेमाल करने की अपील Page 2

माल एवं सेवा कर कानून को अपराध की श्रेणी से हटाने पर विचार करेगी जीएसटी परिषद Page 3

अन्य मुद्राओं की तुलना में रुपये का उतार-चढ़ाव कम, विदेशी मुद्रा भंडार संतोषजनक : दास Page 4

editoria!

नशीले पदार्थों पर रोक

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जांच और खुफिया एजेंसियों से कहा है कि वे वैश्विक स्तर पर सक्रिय नशीले पदार्थों के तस्कर गिरोहों की नकेल कसें तथा तस्करी रोकने के लिए कड़े कदम उठायें. यूं तो नशीले पदार्थों की तस्करी दशकों से हो रही है, लेकिन हाल के समय में बहुत बड़ी मात्रा में इन्हें देश में लाया जा रहा है. पिछले वित्त वर्ष (2021-22) में 3,463 किलोग्राम हेरोइन और 321 किलोग्राम कोकीन समेत कई तरह के नशीले पदार्थ बरामद किये गये थे. पिछले ही सप्ताह गुजरात में 143 किलोग्राम नशीली वस्तुएं पकड़ी गयी हैं. अंतरराष्ट्रीय तस्करों का हौसला इतना बढ़ गया है कि वे बड़ी खेप समुद्री जहाजों से भेजने लगे हैं. जब भी ऐसे पदार्थ पकड़े जाते हैं या तस्करी में लिप्त अपराधियों को पकड़ा जाता है, तो मीडिया में कुछ दिनों तक चर्चा होती है तथा अधिकारियों की ओर से मुस्तैदी बरतने और दोषियों को सजा दिलाने की बातें की जाती हैं, लेकिन जल्द ही मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है. वित्त मंत्री ने भी इसका संज्ञान लेते हुए कहा है कि जब भी ऐसे मामले आते हैं, तो लोगों के मन में यह सवाल स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या पकड़े गये अपराधियों को जेल भेजा गया है और कौन-से बड़े सरगना ऐसी घटनाओं में लिप्त हैं. उन्होंने यह भी सही ही कहा है कि एजेंसियां छोटे अपराधियों को पकड़ती हैं, जो पर्याप्त नहीं है. जब तक देश के भीतर और बाहर के बड़े नेटवर्कों के सरगनाओं को नहीं पकड़ा जायेगा, तब तक तस्करी की घटनाएं होती रहेंगी. तस्करी करने वाले सोना-चांदी और हथियारों की अवैध आवाजाही में भी शामिल हैं. कई मामलों में यह साबित हो चुका है कि तस्करी करने वाले गिरोह आतंकवादियों को मदद देने तथा हवाला के जरिये पैसों के लेन-देन में भी शामिल हैं. हमारी एजेंसियों द्वारा प्रयुक्त होने वाली तकनीक की सुरक्षा भी आवश्यक है. हमारे देश पर साइबर हमलों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है तथा बहुत सारे मामलों में ऐसे अपराधों के तार भी विदेशी नेटवर्कों से जुड़े हुए हैं. यदि एजेंसियों के डाटा अपराधियों के हाथ लग जायेंगे, तो उनके विरुद्ध हो रही कार्रवाइयों को धक्का लग सकता है. सीतारमण ने एजेंसियों को सतर्क रहने को कहा है. नशीले पदार्थ का कारोबार न केवल आपराधिक कृत्य है, बल्कि यह देश के भविष्य को चोटिल करने का उपक्रम भी है. कुछ समय पहले आयी एक रिपोर्ट में बताया गया है कि हमारे देश में नशे के आदी लोगों की तादाद 10 करोड़ से अधिक है. हाल के समय में यह संख्या बढ़ी है तथा इसकी चपेट में अधिकतर युवा और किशोर आ रहे हैं.

एशिया में नाकाम है रूसी कच्चे तेल पर पश्चिम का प्राइस कैप

जी-7 और यूरोपीय संघ के लिए बड़ा झटका

एजेंसी

रूस के कच्चे तेल पर जी-7 और यूरोपियन यूनियन (ईयू) की तरफ से लगाए गए मूल्य नियंत्रण (प्राइस कैप) का पहले दिन एशियाई बाजारों में पालन नहीं किया गया। यहां रूसी कच्चा तेल 79 डॉलर प्रति बैरल बिका, जबकि पश्चिमी देशों ने 60 डॉलर प्रति बैरल की मूल्य सीमा लगाई है। एशियाई बाजारों के इस रुख से जी-7 और ईयू की रूस की तेल से होने वाली आमदनी को सीमित करने की मंशा को झटका लगा है। प्राइस कैप सोमवार से लागू किया गया। इसके पहले विश्लेषकों ने राय जताई थी कि एशिया में इस मूल्य नियंत्रण की सफलता भारत और चीन के रुख पर निर्भर करेगी। ये दोनों देश रूसी तेल के सबसे बड़े आयातकों में हैं। दरअसल, जब से पश्चिमी देशों ने मूल्य नियंत्रण लगाने की मंशा जताई, रूस ने दूसरे क्षेत्रों से हटा कर एशियाई देशों के लिए अपना निर्यात बढ़ा दिया था।

पश्चिमी देशों ने एलान किया है कि रूस से 60 डॉलर प्रति बैरल से अधिक दाम पर कच्चा तेल खरीदने वाले देशों या कंपनियों को पश्चिमी बीमा कंपनियां अपनी सेवा नहीं देंगी। साथ ही माल ढुलाई की पश्चिमी सुविधाओं से भी रूसी निर्यात की वैसी खेप को वंचित रखा जाएगा। वैसे जानकारों का कहना है कि पश्चिमी देशों ने जो मूल्य तय किया है, रूस उससे काफी कम भाव पर पहले ही उन देशों को तेल बेच रहा है, जो उसके खिलाफ पश्चिमी प्रतिबंधों में शामिल नहीं हुए हैं।

तेल के अंतरराष्ट्रीय कारोबार पर नजर रखने वाली लंदन स्थित एजेंसी रिफिनिटिव के प्रमुख ऑयल रिसर्च एलानिस्ट एहसान उल हक ने वेबसाइट

निक्कईएशिया.कॉम से कहा- 'हाल के हफ्तों में रूस ब्रेंट क्रूड के अंतरराष्ट्रीय भाव से प्रति बैरल 30 डॉलर कम पर तेल बेचता रहा है।' ब्रेंट तेल के भाव का अंतरराष्ट्रीय पैमाना है। जबकि रूसी तेल का मूल्य पैमाना उराल्स है। विश्लेषकों का कहना है कि ब्रेंट और उराल्स के भाव में इस अंतर को देखते हुए इस बात की संभावना नहीं है कि प्राइस कैप से रूस की आमदनी पर कोई खास फर्क पड़ेगा। बल्कि कुछ टीकाकारों ने तो प्राइस कैप को महज एक प्रतीकात्मक कार्रवाई बताया है। वैसे प्राइस कैप लागू क रने का सोमवार को एक असर यह हुआ कि विश्व बाजार में कच्चे तेल का भाव दो फीसदी बढ़ गया। ज्यूरिख (स्विट्ज़रलैंड) स्थित बैंक यूबीएस के कॉमोडिटी एनालिस्ट गिओवानी स्टेनोवो के मुताबिक प्राइस कैप का एक असर यह होगा कि रूस अपनी तेल बिक्री के लिए भारत, चीन और तुर्किये पर अधिक निर्भर हो जाएगा। इसका अर्थ यह हुआ कि अगर चीन में अर्थव्यवस्था की सुस्ती के कारण मांग घटती है, तो रूस को अधिक डिस्काउंट पर दूसरे देशों को अपना कच्चा तेल बेचना होगा। नवंबर में चीन ने हर रोज औसतन रूस से समुद्री मार्ग से साढ़े 10 लाख बैरल तेल मंगवाया। इसके अलावा पाइपलाइन्स से उसने साढ़े आठ लाख बैरल रूसी तेल का प्रति दिन आयात किया। क्रूड रिसर्च नाम की एजेंसी के प्रमुख विक्टर केटोना ने निक्कई एशिया को ये जानकारी दी। उन्होंने कहा- 'जहां तक भारत का सवाल है, तो नवंबर में उसने भी प्रति दिन रूस से औसतन लगभग साढ़े दस लाख बैरल तेल का आयात किया। यह अक्टूबर की तुलना में रोजाना लगभग एक लाख बैरल ज्यादा था। दिसंबर में उसकी खरीदारी नवंबर के बराबर ही रहने की आशा है।'

रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 6.8 प्रतिशत किया

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष (2022-23) के लिए देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया। इससे पहले रिजर्व बैंक ने वृद्धि दर सात प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। केंद्रीय बैंक ने तनावपूर्ण भू-राजनीतिक परिवेश और वैश्विक वित्तीय हालात सख्त होने के चलते वृद्धि अनुमान को घटाया। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि वृद्धि दर के अनुमान में कमी के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुस्ती के बीच इसे उम्मीद की किरण के रूप में देखा जा रहा है। दास ने कहा, 'वृद्धि संभावनाओं की राह में सबसे बड़े जोखिम दीर्घकालिक भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक मंदी और वैश्विक वित्तीय स्थितियों में सख्ती से पैदा होने वाले प्रतिकूल हालात के रूप में हैं।' इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए आरबीआई ने 2022-23 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया। तीसरी तिमाही में वृद्धि दर 4.4 प्रतिशत और चौथी तिमाही में वृद्धि दर 4.2 प्रतिशत रहने की संभावना है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 2023-24 की अप्रैल-जून अवधि में 7.1 प्रतिशत और इसके अगली तिमाही के लिए 5.9 प्रतिशत रह सकती है। उन्होंने कहा कि रबी की बुवाई में अच्छी प्रगति, शहरी मांग के बने रहने, ग्रामीण मांग में सुधार, विनिर्माण में तेजी, सेवाओं में सुधार और मजबूत ऋण वृद्धि से अर्थव्यवस्था को समर्थन मिला है। उन्होंने कहा कि सकल मुद्रास्फीति साल के बाकी हिस्सों और अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कम हो सकती है, हालांकि यह संतोषजनक स्तर से ऊपर रह सकती है। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ने सितंबर में भी वृद्धि दर का अनुमान घटाया था। वहीं विश्व बैंक ने मंगलवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की वृद्धि दर के अनुमान को 6.5 से बढ़ाकर 6.9 प्रतिशत कर दिया है।

डॉलर के वर्चस्व को तोड़ने का जुनून सवार

रूसी पीएम मिखाइल ने की देशी मुद्रा इस्तेमाल करने की अपील

एजेंसी

डॉलर से अपने कारोबार को अलग करने की दिशा में रूस और चीन और आगे बढ़ गए हैं। रूस के प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तिन सोमवार को बताया कि दोनों देशों के बीच अब लगभग आधा कारोबार अपनी मुद्राओं- रुबल और युवान में हो रहा है। मुशुस्तिन ने सोमवार को चीन के प्रधानमंत्री ली किचियांग के साथ एक वीडियो कांफ्रेंस में हिस्सा लिया। इसमें उन्होंने उम्मीद जताई कि अब डॉलर या यूरो में भुगतान करने की जगह सभी देश अपनी राष्ट्रीय मुद्राएं का अधिक इस्तेमाल करेंगे। मिशुस्तिन ने कहा कि बाहरी दबावों और प्रतिकूल आर्थिक स्थितियों के बावजूद रूस और चीन का आपसी व्यापार तेजी से बढ़ रहा है। इस वर्ष के पहले दस महीनों में दोनों देशों के बीच लगभग 150 बिलियन डॉलर का कारोबार हुआ, जो साल भर पहले की तुलना में एक तिहाई ज्यादा है।

विश्लेषकों के मुताबिक रूस ने अंतरराष्ट्रीय कारोबार में अमेरिकी मुद्रा डॉलर के वर्चस्व को खत्म करने को अपना लक्ष्य बना रखा है। इसी कोशिश में वह अलग-अलग देशों के साथ आपसी मुद्राओं में कारोबार को बढ़ावा दे रहा है। इसमें उसे चीन और भारत जैसे देशों का साथ मिला है। पिछले महीने यूरेशिया इकॉनमिक यूनियन (यूएईयू) की बैठक में भी रूस ने इसी मुद्दे को सबसे ज्यादा तरजीह दी। वहां रूस से ईएईयू मामलों के मंत्री सर्गेई ग्लेजयेव ने विभिन्न देशों

के बीच आपसी मुद्राओं में भुगतान के सिस्टम का एक खाका पेश किया। उन्होंने बताया कि इस सिस्टम से संबंधित प्रस्ताव यूरेशियन इकॉनमिक कमीशन (ईईसी) और ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) को भेजा गया है। इस रूसी प्रस्ताव के तहत कई देशों के भुगतान कार्डों को शामिल कर एक कार्ड तैयार किया जाएगा। इन कार्डों में भारत का रूपे, रूस का मीर, ब्राजील एलो, चीन का यूनियन-पे आदि शामिल होंगे। अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ पेपे एस्कोबार ने वेबसाइट दक्रैडल.को पर एक टिप्पणी में लिखा है कि प्रस्तावित कार्ड वीजा या मास्टर कार्ड की तर्ज पर होगा, जो इस व्यवस्था में शामिल होने वाले सभी देशों में चलेगा। इसके जरिए किसी भी मुद्रा में किया गए भुगतान तुरंत दूसरे देश की मुद्रा में प्राप्त हो जाएगा। एस्कोबार ने लिखा है- 'यह व्यवस्था पश्चिम नियंत्रित मौद्रिक व्यवस्था के लिए प्रत्यक्ष चुनौती साबित होगी। इसके तहत ब्रिक्स देश डॉलर से हटते हुए आपसी व्यापार का भुगतान अपनी मुद्राओं में करेंगे।'

ईएईयू में ज्यादातर पूर्व सोवियत गणराज्य शामिल हैं। रूस कजाखस्तान, बेलारुस, अर्मीनिया और किर्गिस्तान इसके सदस्य हैं। इसमें रूस की प्रमुख भूमिका रही है। अब इस संगठन और ब्रिक्स के बीच तालमेल बनाने की कोशिश चल रही है। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य तमाम देशों को भी इससे जोड़ने की पहल रूस और चीन कर रहे हैं। रूसी अखबार इजवेस्तिया में छपे एक लेख में ईईसी के वित्तीय सलाहकार व्लादीमीर कोवालयोव ने लिखा है कि रूस का ध्यान साझा वित्तीय बाजार बनाने पर है। उसकी प्राथमिकता साझा विनिमय व्यवस्था निर्मित करने की है। उन्होंने लिखा है- इस दिशा में ठोस प्रगति हो चुकी है। अब ध्यान बैंकिंग, बीमा और स्टॉक मार्केट्स को आपस में जोड़ने पर केंद्रित किया जा रहा है।

अब बरौनी रिफाइनरी के ईंधन से उड़ेंगी देश-विदेश की फ्लाइट

बेगूसराय। एजेंसी

बिहार के बरौनी रिफाइनरी के इंडजेट यूनिट से बरौनी मार्केटिंग टर्मिनल तक एटीएफ (जेट ए-1) फ्युल के पहले बैच के डिस्पैच का ऑनलाइन शुक्रवार को किया गया। विभाग के द्वारा दिए गए जानकारी के मुताविक बरौनी रिफ़ाइनरी के एटीएफ टैंक 241 के वाल्व को खोलकर बरौनी रिफाइनरी से पाइपलाइन के माध्यम से एटीएफ को बरौनी मार्केटिंग टर्मिनल डिस्पैच हुई है।

देश-विदेश के फ्लाइट में भरे जायेंगें यहां के ईंधन

बरौनी रिफाइनरी के कॉर्पोरेट संचार प्रबन्धक अंकिता श्रीवास्तव के अनुसार एटीएफ का उत्पादन बरौनी रिफ़ाइनरी के नए इंडजेट यूनिट से किया गया। यह यूनिट स्वदेशी तकनीक ग्हवूरु पर आधारित है, जिसका अनुसंधान इंडियनऑयल, आरएंडडी सेंटर और मेसर्स ईआईएल ने मिलकर किया है। यह तकनीक कम तापमान और निम्न दबाव हाइड्रो-उपचार प्रक्रिया है जो चुनिंदा रूप से केरो फीड स्ट्रीम से मर्कैप्टन को हटाती है। इस्तेमाल किया जाने वाला उत्प्रेरक इंडियनऑयल, आरएंडडी द्वारा विकसित मालिकाना उत्प्रेरक है। एटीएफ़ के अलावा, इंडजेट यूनिट को पाइपलाइन कम्पेटिबल केरोसिन (इण्ख) के उत्पादन के लिए भी डिज़ाइन किया गया है।

बिहार के साथ-साथ नेपाल के हवाई ईंधन की ज़रूरत को पूरा करेगी

इंडियन ऑयल अध्यक्ष बरौनी रिफ़ाइनरी एसएम वैद्य ने सराहना करते हुए कहा, 'यह एक ऐतिहासिक अवसर है। मुझे खुशी है कि इंडियनऑयल की बरौनी रिफ़ाइनरी बिहार के साथ-साथ नेपाल के हवाई ईंधन की ज़रूरत को पूरा करेगी। इंडजेट यूनिट इंडियनऑयल द्वारा विकसित स्वदेशी तकनीक पर आधारित है, जो मेक इन इंडिया पहल के साथ प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक सार्थक कदम है।

वाणिज्य मंत्रालय ने निर्यातकों को बताया, भारत से कौन उत्पाद आयात करना चाहता है रूस

नयी दिल्ली। एजेंसी

वाणिज्य मंत्रालय ने निर्यातकों के साथ उन उत्पादों की सूची साझा की है जो रूस भारत से आयात करना चाहता है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। रूस ने वाहन कलपुर्जा और कपड़ा सहित सैकड़ों ऐसे उत्पादों की सूची भारत को दी है जो वह आयात करना चाहता है। अब वाणिज्य मंत्रालय ने निर्यातकों से यह सूची साझा की है। अधिकारी ने बताया कि रूस ने दवा, कपड़ा, वाहन कलपुर्जा और रसायन सहित विविध क्षेत्रों से सैकड़ों वस्तुओं की एक सूची साझा की है। यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए हैं। अधिकारी ने कहा कि रूस इन उत्पादों का भारत से आयात करना चाहता है। मंत्रालय ने संबंधित निर्यात संवर्धन परिषदों और निर्यातकों के साथ सूची साझा की गई है ताकि वे इसका आकलन कर सकें कि क्या वे इन उत्पादों को रूस भेजने में सक्षम हैं।'' उद्योग के जानकारों के अनुसार, भारतीय निर्यातकों के लिए इन वस्तुओं को रूस भेजना आसान नहीं होगा। इसकी वजह है कि रूस के लिए कंटेनर की उपलब्धता को लेकर उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

उद्योग के एक जानकार ने कहा, भारतीय निर्यातक इन उत्पादों की आपूर्ति कर सकते हैं, लेकिन वर्तमान में रूस के लिए कंटेनर और जहाज की उपलब्धता काफी कम है। बहुत सीमित एजेंसियां ही हैं जो रूस के लिए ऑर्डर ले रही हैं। परिधान उद्योग ने उत्पादों के निर्यात में रुचि दिखाई है जबकि वाहन उद्योग आशंकित हैं। वहीं कुछ निर्यातकों ने मॉस्को में भारतीय दूतावास से इस सूची की जानकारी चाही है। निर्यातकों के शीर्ष संगठन भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा कि रूसी खरीदार भारत से व्यापक उत्पादों के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहे हैं।

देश में 50 कस्बों तक पहुंची 5जी स्पेक्ट्रम सेवाएं : सरकार

नयी दिल्ली। एजेंसी

सरकार ने बुधवार को बताया कि दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने एक अक्टूबर 2022 से देश में 5जी सेवाएं उपलब्ध करानी शुरू कर दी हैं और पिछले महीने तक 50 कस्बों में 5जी सेवाएं शुरू हो गई हैं। लोकसभा में प्रो. सौगत राय के प्रश्न के लिखित उत्तर में संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी दी। वैष्णव ने बताया कि विभाग ने स्पेक्ट्रम की नीलामी के लिये आवेदन आमंत्रण सूचना (एनआईए) में अनुपालन दायित्व बताए हैं। उन्होंने कहा कि देश में 5जी सेवाओं की तैनाती के लिये किसी विशेष शहर/नगर का उल्लेख नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने एक अक्टूबर 2022 से देश में 5जी सेवाएं उपलब्ध करानी शुरू कर दी है और 26 नवंबर तक 50 कस्बों में 5जी सेवाएं शुरू हो गई हैं। वैष्णव ने बताया कि दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने सूचित किया है कि वे वर्तमान में अपने उपभोक्ताओं को बिना किसी अन्य लागत के 5जी से लैस उपकरणों के साथ 5जी सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं। संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने बताया कि भारत सरकार ने 72,098 मेगाहर्ट्ज (कुल स्पेक्ट्रम का 71 प्रतिशत) आवंटित किया था जिसकी बोली की राशि 1,50,173.29 करोड़ रूपये थी।

माल एवं सेवा कर कानून को अपराध की श्रेणी से हटाने पर विचार करेगी जीएसटी परिषद

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

जीएसटी परिषद, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) कानून के तहत गड़बड़ियों को अपराध की श्रेणी से बाहर लाने पर चर्चा कर सकती है। साथ ही अभियोजन चलाने के लिये सीमा मौजूदा पांच करोड़ रुपये से बढ़ाकर 20 करोड़ रुपये करने पर विचार किया जा सकता है। अधिकारियों ने सोमवार को यह कहा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में परिषद की 'ऑनलाइन' बैठक 17 दिसंबर को होगी। परिषद में राज्यों के वित्त मंत्री शामिल हैं। सरकार ने सितंबर में कहा था कि जीएसटी अधिकारी माल एवं सेवा कर में गड़बड़ी के उन मामलों में अभियोजन शुरू कर सकते हैं जहां कर चोरी या इनपुट कर क्रेडिट (आईटीसी) का दुरुपयोग पांच करोड़ रुपये से अधिक है। अधिकारियों ने कहा कि परिषद के समक्ष विभिन्न प्रस्तावों में से एक जीएसटी के तहत आपराधिक कार्रवाई शुरू करने के लिये राशि सीमा बढ़ाना है। इसके तहत 20 करोड़ रुपये से अधिक की गड़बड़ियों के मामले में ही आपराधिक कार्रवाई शुरू करने पर विचार किया जा सकता है। साथ ही निर्धारित सीमा से नीचे के मामले में गड़बड़ी करने वालों की संपत्ति कुर्क नहीं की जाएगी।

परिषद उन दंडनीय अपराधों को हटाने पर भी विचार कर सकती है जो पहले ही जीएसटी अधिनियम से भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत लाये गये हैं। इसका मकसद कानून को करदाताओं के और अनुकूल बनाना है। अधिकारियों ने कहा कि जीएसटी अधिकारियों की विधि समिति ने कानून को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के प्रयास के तहत जीएसटी अधिनियम की धारा 132 में बदलाव को अंतिम रूप दे दिया है। जीएसटी कानून को गैर-अपराधिक श्रेणी में लाने के प्रस्ताव को जीएसटी परिषद से मंजूरी मिलने के बाद केंद्रीय जीएसटी अधिनियम में संशोधन सात दिसंबर से शुरू होने वाले संसद के शीतकालीन सत्र में पेश किया जा सकता है। संसद की मंजूरी के बाद राज्यों को अपने जीएसटी कानून में संशोधन करने की आवश्यकता होगी। अधिकारियों ने यह भी कहा कि स्वास्थ्य बीमा के प्रीमियम पर जीएसटी को मौजूदा 18 प्रतिशत से घटाने के लिये विभिन्न सुझाव प्राप्त हुए हैं।

रुपया तीन पैसे बढ़कर 82.47 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई। एजेंसी

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया बुधवार को तीन पैसे मजबूत होकर 82.47 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से रेपो दर में 0.35 प्रतिशत की वृद्धि किये जाने के बाद रुपये में यह आंशिक तेजी देखने को मिली। बाजार सूत्रों ने कहा कि इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों के नरम पड़ने से भी रुपये को समर्थन प्राप्त हुआ।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.74 के स्तर पर खुला और कारोबार के अंत में यह तीन पैसे की तेजी के साथ 82.47 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपये ने 82.40 के उच्च स्तर और 82.75 के निचले स्तर को छुआ। इससे पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 82.50 प्रति डॉलर के भाव पर बंद हुआ था।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के विदेशी मुद्रा एवं सर्राफा विश्लेषक गौरांग सोमैया ने कहा, ''उम्मीद के अनुरूप रिजर्व बैंक ने रेपो दर में 0.35 प्रतिशत की एक और वृद्धि की है। इसने वित्तवर्ष 2022-23 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के पूर्वानुमान को भी सात प्रतिशत से घटाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया है।'' इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 1.10 प्रतिशत चढ़कर 105.68 हो गया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 1.79 प्रतिशत घटकर 77.93 डॉलर प्रति बैरल रह गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 215.68 अंक घटकर 62,410.68 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे और उन्होंने मंगलवार को 635.35 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध बिक्री की।

कई कार कंपनियों ने अगले महीने से दाम बढ़ाने की घोषणा की

नयी दिल्ली। एजेंसी

वाहन विनिर्माता कंपनियों- मर्सिडीज बेंज, ऑडी, रेनो, किआ इंडिया और एमजी मोटर ने लागत में बढ़ोतरी के चलते अगले महीने से अपने मॉडलों के दाम बढ़ाने की बुधवार को घोषणा की। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया और टाटा मोटर्स नए साल से मॉडलों के दामों को बढ़ाने की घोषणा पहले ही कर चुकी हैं।

ऑडी इंडिया एक जनवरी से अपने सभी मॉडलों पर 1.7 प्रतिशत दाम बढ़ाएगी जबकि मर्सिडीज बेंज इंडिया पांच प्रतिशत की कीमत वृद्धि करेगी। किआ इंडिया ने कहा कि मॉडल और संस्करण के आधार पर मूल्य वृद्धि की मात्रा 50,000 रुपये तक होगी। हालांकि, रेनो ने यह नहीं बताया कि वह अपने वाहनों की कीमत में कितनी वृद्धि करने जा रही है। वहीं एमजी मोटर इंडिया ने कहा कि वह जल्द ही मॉडल और वेरियंट के आधार पर कीमतों में दो-तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी करेगी। अधिकांश कंपनियों ने वाहनों के दाम बढ़ाने के फैसले के पीछे उत्पादन लागत मूल्य में वृद्धि को वजह बताया है।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा की मुख्य बातें

नयी दिल्ली। एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर में 0.35 की और वृद्धि की। मौद्रिक नीति समीक्षा की मुख्य बातें निम्नलिखित हैं:

...रेपो दर 0.35 प्रतिशत बढ़कर 6.25 प्रतिशत हुई।

...चालू वित्त वर्ष के लिये आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान सात प्रतिशत से घटाकर 6.8 प्रतिशत किया गया।

...मुद्रास्फीति मार्च तिमाही में घटकर छह प्रतिशत से नीचे आएगी। चालू वित्त वर्ष में कुल मिलाकर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान।

...अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। देश तीव्र आर्थिक वृद्धि दर हासिल करने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

...वैश्विक स्तर पर लंबे समय से जारी तनाव से परिदृश्य के समक्ष सबसे बड़ा जोखिम वैश्विक मंदी और वैश्विक वित्तीय स्थिति का कड़ा होना है।

...मुद्रास्फीति के खिलाफ अभी कार्रवाई पूरी नहीं हुई है। केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति की उभरती स्थिति पर 'अर्जुन की आंख' की तरह नजर रखेगा।

...डॉलर में मजबूती के साथ अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले रुपये में उतार-चढ़ाव सीमित है।

...चालू खाते का घाटा प्रबंधन योग्य, विदेशी मुद्रा भंडार 551.2 अरब डॉलर के संतोषजनक स्तर पर।

...बैंकों में नकदी की स्थिति अधिशेष स्तर पर।

...रबी मौसम में बुवाई अबतक सामान्य बुवाई रकबे से 6.8 प्रतिशत अधिक।

... गैर-खाद्य कर्ज अप्रैल-नवंबर में बढ़कर 10.6 लाख करोड़ रुपये। एक साल पहले यह 1.9 लाख करोड़ रुपये था।

...यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) जल्दी ही ग्राहकों को किसी उद्देश्य विशेष के लिये खाते में अपनी राशि को 'ब्लॉक' करने की अनुमति देगा।

News यू केन USE

अवैध खनन रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है ड्रोन

चेन्नई। एजेंसी

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने मंगलवार को कहा कि देश में अवैध खनन पर रोक लगाने और प्राकृतिक संसाधनों को बचाने में 'ड्रोन प्रौद्योगिकी' महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। केंद्रीय मंत्री ने चेन्नई के थालंबूर स्थित अग्नि कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी में ड्रोन विनिर्माण से जुड़े स्टार्टअप गरुड़ एयरोस्पेस द्वारा आयोजित पहले 'ड्रोन कौशल एवं प्रशिक्षण सम्मेलन' के उद्घाटन के मौके पर कहा, ''भारत दुनिया का वैश्विक 'ड्रोन हब' बनने की राह पर है और केंद्र युवाओं को ड्रोन प्रौद्योगिकी के प्रशिक्षण में निवेश करना जारी रखे हुए है।'' उन्होंने कहा, ''खनन और अवैध खनन दो अलग-अलग चीजें हैं। अवैध खनन पर नजर रखने के लिए ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल किया जा सकता है। ड्रोन प्रौद्योगिकी हमारे संसाधनों को बचाने के लिए एक बड़ा साधन बन सकती है।'' ठाकुर ने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान ड्रोन का उपयोग दवा और टीका पहुंचाने में किया गया।

इंडियन प्लम्बिंग एसोसिएशन ने जल संरक्षण के लिए किए समझौते

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

गैर-सरकारी संगठन और पाइप बिछाने तथा नल आदि लगाने से जुड़े पेशेवरों का संगठन 'इंडियन प्लम्बिंग एसोसिएशन (आईपीए)' ने जल संरक्षण के लिए रूपरेखा तैयार करने तथा प्राकृतिक संसाधन की बरबादी रोकने के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स (आईआईए) के साथ समझौता किया है। उद्योग संगठन ने एक बयान में कहा कि विभिन्न उपायों के जरिए पानी की बरबादी को पूरी तरह से रोकने के लिए उसने सिंगापुर प्लम्बिंग सोसाइटी (एसपीएस) के साथ भी एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। आईपीए के अध्यक्ष गुरमीत सिंह अरोरा ने कहा कि ऐसे समय जब दुनिया जलवायु परिवर्तन के संकट से जूझ रही है तब अनुपयोगी जल के पुनर्चक्रण के बारे में जागरूकता लाने की जरूरत है। संगठन के मुताबिक भारत में प्रत्येक दिन औसतन 12.5 करोड़ लीटर जल बरबाद हो जाता है।

इरडा ने कारों के लिए तीन साल और दोपहिया वाहनों के लिए पांच साल का बीमा कवच देने का प्रस्ताव किया

नयी दिल्ली। एजेंसी

बीमा विनियामक संस्था इरडा ने कारों के लिए तीन साल और दोपहिया वाहनों के लिए पांच साल का बीमा कवच देने का बुधवार को प्रस्ताव किया है जिसका उद्देश्य ग्राहकों को व्यापक विकल्प प्रदान करना है। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने 'मोटर थर्ड पार्टी बीमा और स्वयं को हुई क्षति बीमा' दोनों को कवच प्रदान करने वाले 'दीर्घकालिक मोटर उत्पाद' पर एक मसौदा तैयार किया है। मसौदे में सभी सामान्य बीमाकर्ताओं को निजी कारों के संबंध में तीन साल की बीमा पॉलिसी और दोपहिया वाहनों के लिए पांच साल की मोटर थर्ड पार्टी देयता कवच के साथ सह-टर्मिनस की पेशकश करने की अनुमति देने का प्रस्ताव किया है।

रेलवे ने 100 करोड़ टन माल लदाई का लक्ष्य पार किया

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

भारतीय रेलवे ने माल परिवहन के 100 करोड़ टन के वार्षिक पड़ाव को पार कर लिया है। चालू वित्त वर्ष में रेलवे ने 100.2 करोड़ टन माल लदाई की है। इससे पहले, यह पड़ाव 24 दिसंबर 2021 को पार हुआ था, जब छह दिसंबर 2021 तक रेलवे ने 92.64 करोड़ टन माल लदाई की थी। चालू वित्त वर्ष में रेलवे ने 8.25 फीसदी की वृद्धि दर के साथ 7.63 करोड़ टन अधिक माल लदाई की। बयान में कहा गया, ''चालू वित्त वर्ष में, रेलवे का माल लदाई से प्राप्त राजस्व लगभग 1,08,593 करोड़ रुपये रहा है जो छह दिसंबर 2021 में 93,532 करोड़ रुपये था।'' इसमें बताया गया कि इस 100 करोड़ टन में सर्वाधिक 48 फीसदी और 48.5 करोड़ टन कोयला था जो पिछले वर्ष 42.5 करोड़ टन था। कोयले के बाद सर्वाधिक माल लदाई पत्थर, राख, बॉक्साइट, धातु, वाहन, जिप्सम सॉल्ट और नमक की हुई।

सोनी इंडिया प्रस्तुत करता है नया SRS-XV900

सोनी की -सीरीज़ का सबसे तेज़ और सबसे शक्तिशाली वायरलेस पार्टी स्पीकर

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

सोनी इंडिया ने नए SRS-XV900 के लॉन्च की घोषणा की, जो वायरलेस स्पीकर एक्स सीरीज़ रेंज का सबसे शक्तिशाली और सबसे तेज़ ब्लूटूथ पार्टी स्पीकर है। दुनिया भर के संगीत प्रेमियों को रोमांचक साउंड मनोरंजन अनुभव प्रदान करने के लिए यह स्पीकर 'लिव लाइफ लाउड' विजन का हिस्सा है। जीवन को पूर्ण मात्रा में जीना चाहिए और इसका मतलब है कि सोनी के नए SRS-XV900 स्पीकर से स्पष्ट, समृद्ध साउंड का आनंद लेने में सक्षम होने के लिए हर पल का भरपूर लाभ उठाएं।

सोनी SRS-XV900 आपको एक्स - बैलेंस्ड स्पीकर यूनिट के साथ सर्वदिशात्मक पार्टी साउंड का आनंद लेने देता है, जो स्पीकर के क्षेत्र को अधिकतम करके अधिक ध्वनि दबाव और कम विकृत साउंड देता है और जेट बास बूस्टर गहरा, प्रभावशाली, शक्तिशाली बास प्रदान करता है। मिडरेंज ड्राइवर उत्कृष्ट स्वर प्रदान करते हैं, जबकि आगे, पीछे और पीछे के 6 ट्वीटर उच्च आवृत्ति साउंड को चारों ओर फैलाते हैं।

टीवी साउंड बूस्टर कनेक्टिविटी टीवी देखते समय बेहतर टीवी साउंड का अनुभव देती है। SRS-XV900 का डीप बास और यथार्थवादी उच्च-आवृत्ति साउंड कमरे को भर देता है और एक समृद्ध ऑडियो-विजुअल अनुभव प्रदान करने के लिए आपके टीवी के साउंड को बढ़ाता है। बस ऑप्टिकल केबल (शामिल) कनेक्ट करें और टीवी ब्रांड या मॉडल के बावजूद टीवी साउंड बूस्टर फ़ंक्शन का चयन करेंड1.

त्वरित चार्जिंग बैटरी की 25 घंटे की लंबी लाइफ के साथ,अब आप कहीं भी अपना साउंड ले सकते हैं।स्पीकर की त्वरित चार्जिंग के साथ, आप मात्र 10 मिनट की चार्जिंग में 3 घंटे का प्ले टाइम प्राप्त कर सकते हैं। बैटरी केयर मोड सुविधा के साथ, आपको अपने स्पीकर को अधिक चार्ज करने के बारे में चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, जिससे यह अधिक समय तक भरोसेमंद बना रहता है। कराओके डबल ट्रैकिंग के साथ मजेदार और मनोरंजक सुविधा दो इनपुट (माइक और गिटार) की अनुमति देती है, आप एक गिटार में भी प्लग कर सकते हैं और स्पीकर को एक प्रवर्धक के रूप में उपयोग कर सकते हैं। यह स्पीकर सोनी म्यूजिक सेंटर और इर्गैंत ऐप्स दोनों के साथ कंपेटिबल है। सोनी म्यूजिक सेंटर के साथ आप डांस फ्लोर से ही प्लेलिस्ट का चयन कर सकते हैं।

बीपीसीएल के सेवानिवृत्त चेयरमैन अरूण कुमार सिंह बने ओएनजीसी के प्रमुख, बोर्ड का भी पुनर्गठन

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

तेल शोधन एवं विपणन कंपनी बीपीसीएल के पूर्व चेयरमैन अरुण कुमार सिंह को बुधवार को ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) का चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया। यह पहला मौका है जब किसी सेवानिवृत्त अधिकारी को किसी महारत्न पीएसयू का प्रमुख नियुक्त किया गया है।

कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडलीय नियुक्ति समिति (एसीसी) के इस फैसले की जानकारी दी। इसके तुरंत बाद पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने सिंह को तीन साल के लिए ओएनजीसी के चेयरमैन के रूप में नियुक्त करने का आदेश जारी किया। सिंह ने बिना समय गंवाए फौरन अपना पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने मुंबई से निदेशक मंडल के सदस्यों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बात भी की। पेट्रोलियम मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सिंह को चेयरमैन बनाने के साथ बोर्ड का पुनर्गठन भी किया गया है। इसके तहत निदेशक (तटवर्ती) और निदेशक (अपतटीय) के वर्तमान पदों को मिलाकर निदेशक (उत्पादन) का पद बनाया गया है। निदेशक (रणनीति और कॉरपोरेट मामले) का एक पद सृजित किया गया है। ये दोनों बदलाव एक मार्च 2023 से प्रभावी होंगे। ओएनजीसी के नियमित चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक का पद अप्रैल 2021 से ही रिक्त था। तेल मंत्रालय द्वारा आयु संबंधित मापदंडों में छूट देने के बाद सिंह इस पद के लिए पात्र हुए थे।

आर्थिक विश्लेषकों का रेपो दर में एक और वृद्धि का अनुमान

मुंबई। एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आक्रामक रुख को देखते हुए विश्लेषकों और अर्थशास्त्रियों का मानना है कि नीतिगत रेपो दर बढ़कर करीब 6.5-6.75 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। आरबीआई ने बुधवार को रेपो दर में अनुमान के मुताबिक 0.35 प्रतिशत की बढ़ोतरी की। इस तरह रेपो दर में लगातार पांचवी बार बढ़ोतरी की गई है। इसके साथ ही रेपो दर 6.25 प्रतिशत हो गई है।

एचडीएफसी बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री अभीक बरुआ ने कहा, ''आज की नीतिगत घोषणा से संकेत मिलता है कि दरों में और बढ़ोतरी हमें देखने को मिलेगी। हमें इसके 6.5-6.75 प्रतिशत पर जाकर रुकने की उम्मीद है।'' यूबीएस इंडिया की अर्थशास्त्री तन्वी गुप्ता जैन ने भी रेपो दर में एक और बढ़ोतरी का अनुमान जताया। उन्होंने कहा, ''हम फरवरी की नीतिगत समीक्षा में 0.25 प्रतिशत की एक और बढ़ोतरी की उम्मीद कर रहे हैं। भले ही प्रधान मुद्रास्फीति अक्टूबर में 6.8 प्रतिशत से आगे चलकर कम हो जाए और जून 2023 तिमाही तक 5-5.5 प्रतिशत पर आ जाए, लेकिन यह आरबीआई के मध्यम अवधि के लक्ष्य चार प्रतिशत से ऊपर ही रहेगी।'' केयर रेटिंग्स की मुख्य अर्थशास्त्री रजनी सिन्हा को भी लगता है कि फरवरी की नीति समीक्षा में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जा सकती है। क्रिसिल रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री धर्मकीर्ति जोशी ने कहा कि दर में बढ़ोतरी आगे भी होगी। उन्होंने कहा, ''हालांकि घरेलू स्तर पर प्रधान मुद्रास्फीति घटने लगी है, लेकिन खाद्य एवं ईंधन कीमतों को छोड़कर अन्य मुद्रास्फीति का जोखिम बना हुआ है।'' भारतीय स्टेट बैंक समूह के मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष ने कहा कि फरवरी में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की एक और वृद्धि का अनुमान है।

अन्य मुद्राओं की तुलना में रुपये का उतार-चढ़ाव कम, विदेशी मुद्रा भंडार संतोषजनक : दास

मुंबई। एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि डॉलर में मजबूती के बीच अन्य देशों की मुद्राओं की तुलना में रुपये का उतार-चढ़ाव कम रहा है। इसके साथ ही उन्होंने देश के विदेशी मुद्रा भंडार की स्थिति को संतोषजनक बताया है। दास ने बुधवार को यहां द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा पेश करते हुए कहा कि वास्तविक आधार पर देखा जाए, तो चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अक्टूबर की अवधि में रुपया 3.2 प्रतिशत मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा, ''रुपये की कहानी भारत की मजबूती और स्थिरता को दर्शाती है।'' उन्होंने कहा कि इस साल डॉलर में मजबूती के बीच रुपये सहित दुनिया की सभी प्रमुख मुद्राओं में गिरावट आई है। इसने सभी का ध्यान खींचा है।'' दास ने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक और घरेलू वृहद आर्थिक तथा वित्तीय बाजार के घटनाक्रमों के परिप्रेक्ष्य में रुपये के उतार-चढ़ाव का आकलन करने की जरूरत है। गवर्नर ने कहा, ''डॉलर में मजबूती के इस अध्याय के बीच अन्य मुद्राओं की तुलना में रुपये का उतार-चढ़ाव सबसे

कम रहा है।'' उन्होंने कहा कि विदेशी मुद्रा भंडार संतोषजनक स्थिति में है। 21 अक्टूबर, 2022 को यह 524.5 अरब डॉलर था, जो दो दिसंबर, 2022 को बढ़कर 561.2 अरब डॉलर पर पहुंच गया। रिजर्व बैंक ने कहा कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का शुद्ध प्रवाह मजबूत बना हुआ है। चालू वित्त वर्ष के पहले सात माह अप्रैल-अक्टूबर में एफडीआई का प्रवाह बढ़कर 22.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 21.3 अरब डॉलर रहा था।

दुनिया की सबसे ताकतवर महिलाओं की सूची में सीतारमण समेत 6 भारतीय शामिल

नई दिल्ली। एजेंसी

फोर्ब्स की दुनिया की 100 सबसे ताकतवर महिलाओं की सूची में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण , बायोकॉन की कार्यकारी चेयरपर्सन किरण मजूमदार-शॉ और नाइका की संस्थापक फाल्गुनी नायर को जगह मिली है। इस वार्षिक सूची में कुल छह भारतीय महिलाओं ने जगह बनाई है। सीतारमण इस बार 36वें स्थान पर रहीं और उन्होंने लगातार चौथी बार इस सूची में जगह बनाई है। इससे पहले 2021 में वह 37वें स्थान पर थीं। वह 2020 में वह 41वें और 2019 में 34वें स्थान पर थीं। फोर्ब्स द्वारा मंगलवार को जारी इस सूची के अनुसार इस साल मजूमदार-शॉ 72वें स्थान पर हैं, जबकि नायर 89वें स्थान पर हैं।

इन्हें भी मिली जगह

सूची में शामिल अन्य भारतीयों में एचसीएल टेक की चेयरपर्सन रोशनी नादर मल्होत्रा (53वां स्थान), भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच (54वां स्थान) और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल) की चेयरपर्सन सोमा मंडल (67वां स्थान) शामिल हैं। मल्होत्रा, मजूमदार-शॉ और नायर ने पिछले साल भी इस सूची में क्रमशः 52वां, 72वां और 88वां स्थान हासिल किया था। सूची में 39 सीईओ और 10 राष्ट्राध्यक्ष शामिल हैं। इसके अलावा इसमें 11 अरबपति शामिल हैं, जिनकी कुल संपत्ति 115 अरब डॉलर है।

फोर्ब्स की सूची

फोर्ब्स सूची में नायर के बारे में कहा गया है कि इस 59 वर्षीय व्यवसायी ने दो दशकों तक एक निवेश बैंकर के रूप में काम किया, आईपीओ लाईं और अन्य उद्यमियों को उनके सपने हासिल करने में मदद की। फोर्ब्स वेबसाइट के मुताबिक 41 वर्षीय मल्होत्रा एचसीएल टेक के सभी रणनीतिक फैसलों में अहम भूमिका निभाती हैं। इस तरह बुच सेबी की पहली महिला अध्यक्ष हैं। इसी तरह मंडल, सेल की अगुवाई करने वाली पहली महिला हैं और उनके पदभार ग्रहण करने के बाद से कंपनी ने रिकॉर्ड वित्तीय वृद्धि हासिल की है। फोर्ब्स वेबसाइट के अनुसार उनके कार्यकाल के पहले साल में कंपनी का मुनाफा तीन गुना बढ़कर 120 अरब रुपये हो गया।

ये हैं फोर्ब्स की लिस्ट में सबसे ऊपर

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन दुनिया की 100 सबसे शक्तिशाली महिलाओं की सूची में सबसे ऊपर हैं। यूक्रेन युद्ध के दौरान उनके नेतृत्व और कोविड-19 महामारी से निपटने के प्रयासों के लिए उन्हें यह मुकाम मिला। यूरोपीय सेंट्रल बैंक की अध्यक्ष क्रिस्टीन लेगार्ड को दूसरे स्थान पर रखा गया है, जबकि अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। ईरान की जीना महसा अमिनी को मरणोपरांत प्रभावशाली सूची में 100वां स्थान मिला है।

वैश्विक उर्वरक आपूर्तिकर्ता भारत को दें तरजीह, पर गुटबंदी बर्दाश्त नहीं: मांडविया

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

ऊंची वैश्विक दरों के कारण चालू वित्त वर्ष में उर्वरक सब्सिडी के उछलकर 27 अरब डॉलर तक पहुंचने की आशंका के बीच सरकार ने बुधवार को वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं से भारत को तरजीह देने का अनुरोध करते हुए कहा कि कीमतों में बढ़ोतरी के लिए गुटबंदी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भारत उर्वरकों के साथ-साथ उसके कच्चे माल का एक प्रमुख आयातक देश है। यह घरेलू मांग को पूरा करने के लिए करीब 90 लाख टन यूरिया का आयात करता है। बड़ी मात्रा में डीएपी और एमओपी का भी आयात किया जाता है।

रसायन और उर्वरक मंत्री मनसुख मांडविया ने 'फर्टिलाइजर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया' (एफएआई) के एक सम्मेलन में कहा कि किसानों को सस्ती कीमत पर उर्वरक मुहैया कराने के लिए सरकार ने कई सुधार किए हैं और सब्सिडी भी बढ़ाई है। उन्होंने कहा कि सरकार आत्मनिर्भर बनने के प्रयासों के तहत नैनो तरल यूरिया और नैनो डीएपी जैसे वैकल्पिक उर्वरकों को भी बढ़ावा दे रही है।

उन्होंने उर्वरकों की वैश्विक कीमतों में तेज उछाल के कारण सरकार के उर्वरक सब्सिडी खर्च में वृद्धि पर भी चिंता जताते हुए कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद वैश्विक बाजार में जो कुछ भी हुआ वह अनुचित और सही नहीं था। उन्होंने कहा कि सरकार ने बगैर किसी रुकावट के उर्वरक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भारतीय उर्वरक कंपनियों और विदेशी आपूर्तिकर्ताओं के बीच ऐसे कई समझौतों और समझौता ज्ञापनों को अंजाम दिया है। उन्होंने कहा, "यह वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं के लिए भारत जैसे बड़े बाजार की गतिशीलता को समझने और हमें तरजीह देने का उपयुक्त समय है।"हालांकि उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार आने वाले समय में उर्वरक कंपनियों की गुटबंदी को बर्दाश्त करने के बजाय निश्चित रूप से निष्पक्ष और स्पष्ट भागीदारों का चयन करेगी।

मांडविया ने भारतीय फर्मों के साथ साझेदारी करने के अलावा वैश्विक कंपनियों को भारत में उर्वरक निर्माण संयंत्र और भंडारण इकाई स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा, "पिछले तीन वर्षों में हमने उर्वरकों और कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि देखी है। हमारी सरकार ने कई सुधार किए हैं और यह सुनिश्चित किया है कि भारतीय किसानों को खाद सस्ती कीमत पर उपलब्ध हों। इसके लिए वर्ष 2019-20 में 10 अरब डॉलर रही उर्वरक सब्सिडी को बढ़ाकर चालू वित्त वर्ष में लगभग 27 अरब डॉलर कर दिया गया है।" मांडविया ने कहा कि देश वर्ष 2025 तक यूरिया के मामले में आत्मनिर्भर हो जाएगा क्योंकि सरकार कई बंद संयंत्रों को फिर से चालू कर रही है। फिलहाल, देश का यूरिया (पारंपरिक) उत्पादन 260 लाख टन है, जबकि स्थानीय मांग को पूरा करने के लिए लगभग 90 लाख टन का आयात किया जाता है।

ई-केवाईसी कर चुके ग्राहक को बैंक सत्यापन के लिए न बुलाएं: आरबीआई

मुंबई। एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को कहा कि यदि ग्राहक ने ई-केवाईसी करा लिया है या फिर 'अपने ग्राहक को जानें (केवाईसी)' प्रक्रिया को सी-केवाईसी पोर्टल पर पूरा कर लिया गया है तो बैंकों को उन्हें शाखा के स्तर पर सत्यापन और सूचना अद्यतन करने के लिए नहीं कहना चाहिए। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि बैंकों के जो ग्राहक केवाईसी सत्यापन ऑनलाइन तरीके से पूरा कर लेते हैं, वे प्रति वर्ष जानकारी में बदलाव और व्यक्तिगत विवरण में परिवर्तन भी ऑनलाइन तरीके से कर सकते हैं।

दास ने कहा कि बैंकों को ऐसे ग्राहकों पर सत्यापन या जानकारी अद्यतन करने के लिए शाखा में आने का दबाव नहीं बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार अपने केवाईसी विवरण को सी-केवाईसी पोर्टल पर अपलोड कर चुके ग्राहकों को भी सत्यापन के लिए बैंक में आने को नहीं कहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ग्राहक अपनी पंजीकृत ईमेल आईडी या मोबाइल से बैंक को ईमेल या संदेश भेजकर कह सकता है कि वे सी-केवाईसी पोर्टल से उनके केवाईसी विवरण ले लें। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर टी रवि शंकर ने कहा कि बैंकों के शाखा स्तर पर इस बारे में जागरूकता की कमी है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक नियमित तौर पर बैंकों से कहता है कि वे इस तरह के विवरण के लिए ग्राहकों को परेशान न करें।

रेलवे डीजल की खपत 2020-21 में इसके पिछले साल की तुलना में 50 प्रतिशत से ज्यादा घटी: सरकार

नयी दिल्ली। एजेंसी

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि रेलवे ने 2020-21 में उसकी डीजल खपत को इसके पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 50.29 प्रतिशत कम किया है। वैष्णव ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि 2018-19 में रेलवे की डीजल की खपत 26,41,142 किलो लीटर थी, जो 2019-2020 में 10.44 प्रतिशत घट गयी और 2020-21 में 50.29 प्रतिशत और कम होकर 11,75,901 किलो लीटर रह गयी। उन्होंने कहा कि 2018-2019 में ईंधन की लागत 18,587.14 करोड़ रुपये आई, वहीं 2019-2020 में ईंधन बिल 16,377.60 करोड़ रुपये का था।

भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के उपचाराधीन मरीज़ों की संख्या घटकर 4,255 हुई

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 166 नए मामले सामने आने के बाद देश में अब तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,46,73,949 हो गई, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 4,255 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से मौत के मामले बढ़कर 5,30,638 हो गए हैं। पिछले 24 घंटे में कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में संक्रमण से मौत का एक-एक मामला सामने आया, जबकि संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुनःमिलान करते हुए केरल ने वैश्विक महामारी से जान गंवाने वाले मरीजों की सूची में

तीन नाम और जोड़े। अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोरोना वायरस संक्रमण के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 4,255 रह गई है, जो कुल मामलों का 0.01 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 90 की कमी दर्ज की गई है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.80 प्रतिशत है। देश में अभी तक कुल 4,41,39,056 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं, जबकि कोविड-19 से मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 2,19,94,80,322 खुराक दी जा चुकी हैं। गौरतलब है कि भारत में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 25 जनवरी को संक्रमण के कुल मामले चार करोड़ के पार हो गए थे।

घर में तोता पालन शुभ या अशुभ, जानिए क्या कहता है वास्तु शास्त्र

जानवर और पक्षी वास्तव में इस संसार के सबसे अद्भुत प्राणियों में से एक हैं और इसमें कोई संदेह नहीं है कि हम ऐसे पालतू जानवरों को रखना पसंद करते हैं जो हमें प्यार का माहौल देते हैं। पालतू जानवर घर में खुशनुमा और प्यारा माहौल बनाने में मदद करते हैं। ज्यादातर लोग अपने घरों में पालतू जानवरों और पक्षियों को पालते हैं। जिस तरह जानवरों में कुत्ते से लोगों को बहुत लगाव होता है ऐसे ही पक्षियों में तोते से लोगों को लगाव होता है। कहा जाता है कि तोता पालना किसी के लिए शुभ होता है तो किसी के लिए अशुभ। आइए जानते हैं तोता पालना शुभ है या अशुभ।

श्री रघुनंदन जी
9009369396
ज्योतिषाचार्य एवं वास्तुविद
अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन द्वारा गोल्ड मेडलिस्ट

घर में तोता पालना शुभ क्यों

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर की उत्तर दिशा में तोता या फिर तोता रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। माना जाता है कि इससे बच्चों का पढ़ाई में मन लगता है और उनकी स्मरण शक्ति बढ़ती है।

व्यक्ति अपने घर तोता पालता है तो इससे बीमारियों का खतरा कम हो सकता है और लोगों के मन में निराशा भी कम होती है।

यदि आप घर में तोता पालते हैं या उसकी तस्वीर को लगाते हैं तो इससे राहु केतु और शनि की बुरी नजर आपके घर पर नहीं पड़ती है। इसे पालने से किसी के लिए अकाल मृत्यु भी नहीं होती है।

यदि तोते को घर में पिंजरे में रखा जाए तो ऐसे में उसका खुश रहना बेहद जरूरी है वरना यदि तोता नाराज हो जाए तो वह आपके घर को बद्दुआ भी दे सकता है जिसका नकारात्मक प्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है।

तोता को पालने से पति पत्नी का रिश्ता बेहतर होता है। साथ ही माहौल में सकारात्मकता बढ़ती है।

तोता पालना अशुभ क्यों

यदि किसी की कुंडली में तोते का योग नहीं है और वह तोता पालता है तो यह अपव्यय का कारण हो सकता है।

ऐसा भी कहा जाता है कि अगर तोता खुश नहीं होता है, तो वह अपने मालिकों को बददुआ देता है। किसी जीव या पक्षी को बंधक बनाकर रखना उचित नहीं होता है।

अगर किसी के घर में लड़ाई-झगड़े का माहौल हो तो तोता उन शब्दों को सुनता है और फिर उन्हें दोहराता है। ऐसे तोते का फल शुभ नहीं होता है।

हिंदू धर्म में पौष मास का विशेष महत्व, 9 दिसंबर से होगी शुरुआत, जानें क्या है धार्मिक मान्यता

हिंदू कैलेंडर के मुताबिक मार्गशीर्ष माह जल्द ही खत्म होने वाला है और मार्गशीर्ष माह के बाद पौष माह की शुरुआत हो जाएगी। सनातन धर्म में पौष माह का काफी महत्व बताया गया है और पौष माह को भगवान सूर्य को समर्पित बताया गया है। हिंदू धर्म में मान्यता है कि पौष महीने में भगवान सूर्य की पूजा करने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

पिंडदान व श्राद्ध कर्म का महत्व

पौष माह में यदि पूर्वजों का आह्वान किया जाए और पिंडदान और श्राद्ध किए जाए तो इसका पुण्य फल मिलता है। हिन्दू शास्त्र में पौष माह को पितृपक्ष के रूप में भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस माह में श्राद्ध या पिंडदान करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती हैं और बैकुंठ की प्राप्ति होती हैं।

सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा

पौष मास में भगवान सूर्य को अर्घ्य देने की भी परंपरा है। ज्योतिषियों के अनुसार पौष के महीने में भगवान सूर्य धनु राशि में प्रवेश कर जाएंगे, इस कारण से सभी मांगलिक कार्य कुछ दिन के लिए थम जाएंगे। इस दौरान घर में कोई मांगलिक कार्य करने की योजना बन रही हैं, तो आपको उससे पहले पौष का महीना कब से कब तक रहेगा इसे जरूर जान लेना चाहिए। आपको बता दें कि पौष मास में कोई भी शुभ कार्य नहीं किए जाते हैं।

कब शुरू होगा पौष मास

पौष माह की शुरुआत- 9 दिसंबर 2022, शुक्रवार
पौष माह की समाप्ति- 7 जनवरी 2023, शनिवार

पौष माह में पूजा के नियम

- पौष माह में कोई भी शुभ काम करने की मनाही होती है।
- व्यक्ति को भगवान सूर्य की पूरी भक्ति से पूजा आराधना करनी चाहिए।
- सूर्यदेव की पूजा करने से तेज, बल, बुद्धि, यश, विद्या और धन बढ़ता है।स
- रविवार का उपवास भी रखकर भी सूर्य देव की आराधना कर सकते हैं।

करियर में सफलता और व्यापार में फायदा चाहते हैं तो बुधवार को करें ये उपाय

बुधवार का दिन भगवान श्रीगणेश को समर्पित है। लाल किताब के अनुसार मां दुर्गा की आराधना के लिए भी यह दिन श्रेष्ठ माना गया है। बुध ग्रह की वजह से इस दिन का नाम बुधवार रखा गया था। ऐसे जातक जिनकी कुंडली में बुध ग्रह की स्थिति कमजोर है उन्हें बुधवार के दिन कुछ ज्योतिषीय उपाय जरूर करने चाहिए। बुध की स्थिति कुंडली में सही न होने पर व्यक्ति को मानसिक, शारीरिक और आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इन सबका असर व्यक्ति के करियर और व्यापार दोनों पर पड़ता है। ज्योतिष शास्त्र में बुधवार के दिन करियर व कारोबार में तरक्की के लिए कुछ उपाय बताए गए हैं। इन उपायों के करने से भगवान गणेश के आशीर्वाद से सभी विघ्न दूर होते हैं और कुंडली में बुध की स्थिति मजबूत होती है। आइए जानते हैं करियर व कारोबार में फायदे के लिए किन जाने वाले बुधवार के इन उपायों के बारे में...

बुधवार के उपाय

1.बुधवार के दिन मां दुर्गा का ध्यान करते हुए दुर्गा सप्तशती का पाठ करना चाहिए।

2.बुधवार के दिन हरी मूंग की दाल का दान करना चाहिए।

3.परिवार के साथ हरी मूंग की दाल का सेवन करना भी लाभकारी माना जाता है।

4.बुधवार के दिन शिवलिंग पर भी हरी मूंग अर्पित करने से भी बुध मजबूत होता है।

5.आर्थिक समस्याओं से कर्ज से परेशान हैं तो हर बुधवार को ऋणहर्ता गणेश स्तोत्र का पाठ करना चाहिए।

6.बुधवार 21 दूर्वा की एक गांठ बनाकर गणेशजी के मस्तक पर चढ़ाएं। ऐसा करने से करियर में सफलता मिलती है।

7.बुधवार के दिन गाय को हरी घास या पालक साग अवश्य खिलाना चाहिए। ऐसा करने से ग्रह दोष दूर होते हैं।

8.बुधवार के दिन बहन और भांजी को गिफ्ट देना चाहिए।

9.हरे रंग के वस्त्र धारण करने और दान करने से भी लाभ मिलता है।

बुध के इन मंत्रों का जप करें
बीज मंत्र : ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः!
ॐ बुं बुधाय नमः अथवा ॐ ऐं श्रीं श्रीं बुधाय नमः!
ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः
प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम। सौम्यं सौम्य गुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम।।

घर में नकारात्मक ऊर्जा दूर करने के लिए अपनाए ये उपाय, आएगी खुशहाली

संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

अक्सर ऐसा होता है कि हम अपनी ओर से जीवन में सकारात्मक रहने का पूरा प्रयास करते हैं,लेकिन इसके बावजूद घर में नकारात्मक ऊर्जा मौजूद हो सकती है। नेगेटिव एनर्जी के कारण परिवार के सदस्यों की सेहत खराब रहती है,साथ ही परिवार में वाद-विवाद और झगड़े भी हो सकते हैं एवं आपकी तरक्की अवरुद्ध हो सकती है। नकारात्मक ऊर्जा के कारण से मन से सकारात्मक भावनाएं दूर चली जाती हैं,जिससे परिवार के लोग हमेशा उदास और थका हुआ महसूस करते हैं। वास्तु में नकारात्मक शक्तियों को दूर करने तथा घर में नई और अच्छी ऊर्जा लाने के लिए इन सरल उपायों को आजमा सकते हैं।

ऐसे वस्त्रों का चयन न करें

आधुनिक युग में फटे हुए कपडे पहनना काफी प्रचलन में हैं,लेकिन ऐसे परिधान हमारी भारतीय संस्कृति में शुभ नहीं माने जाते। धार्मिक मान्यता है कि फटे और मैले वस्त्र पहनने से व्यक्ति की शारीरिक क्षमता व सकारात्मक ऊर्जा का नाश होता हैं। ऐसे कपड़े हमारे तन-मन को शिथिल बनाकर कई प्रकार की बीमारियों को भी जन्म देते हैं। साथ ही गंदे और फटे वस्त्र दुर्भाग्य लेकर आते हैं,घर में नकारात्मक ऊर्जा का वास होता हैं।

लड़ाई-झगड़ा,वाद-विवाद से बचें

आपसी प्रेम व सद्भावना जीवन में नवचेतना का संचार करते हैं। सदैव ही कलह,वाद-विवाद से हमेशा दूर रहने का प्रयास करना चाहिए। हो सकता है छोटी सी बहस आपके मूड को बर्बाद कर दें। वास्तु की दृष्टि से देखें तो लड़ाई-झगड़ा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है जिससे आपकी उन्नति अवरुद्ध हो सकती है।

न रखें गंदगी

सफाई का उद्देश्य सिर्फ परंपरा का निर्वहन या सुख-समृद्धि के आगमन से ही नहीं है बल्कि घर में मौजूद गंदगी,धूल-मिटटी,जाले आदि से वहां की नेगेटिव एनर्जी बढ़ने लगती है जिसका बुरा असर आपके काम और मन पड़ता है। घर में रखा अनुपयोगी टूटा-फूटा सामान भी नकरात्मकता फैलाता हैं जिसकी वजह से परिवार में अशांति का माहौल बन जाता है। सुख-सौभाग्य की प्राप्ति के लिए घर का वातावरण स्वच्छ और सकारात्मक होना चाहिए।

किसी का अपमान न करें

यूं तो हमें कभी भी किसी को अप्रिय वचन बोलकर या किसी अन्य तरीके से अपमान नहीं करना चाहिए। लेकिन मन,कर्म,वचन द्वारा किसी भी प्रकार का पाप कर्म करने से बचने का प्रयास करना चाहिए और गलती से भी गरीब एवं उम्र में बड़े लोगों का अपमान न करें और न ही झूठ बोलें। बड़ों और बुजुर्गों का सम्मान कर उनका आशीर्वाद लेना अत्यंत फलदायी होता है। गुस्सा,तनाव और किसी का भी अपमान करना घर में नकारात्मक ऊर्जा के कुछ लक्षण हैं।

स्वयंसेवा की शक्तिः एजुकेट गर्ल्स के स्वयंसेवकों ने 12 लाख लड़कियों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित किया

बालिका शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत एजुकेट गर्ल्स की 15वीं वर्षगांठ

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

ग्रामीण भारत में बालिकाओं की शिक्षा के लिए काम कर रही गैर-लाभकारी संस्था एजुकेट गर्ल्स इस दिसंबर अपनी 15वीं वर्षगांठ मना रही है। संस्था 2007 से भारत के ग्रामीण और शैक्षिक रूप से पिछड़े इलाकों में स्थायी परिवर्तन लाने के लिए बालिका शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रही है। इस मिशन में संस्था का साथ 18,000 से भी अधिक युवा टीम बालिका (स्वयंसेवक) दे रहे हैं।

एजुकेट गर्ल्स दिसंबर से अपनी 15वीं वर्षगांठ की शुरुआत राजस्थान से करने जा रही है। संस्था राजस्थान के बाद मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में भी अपनी 15वीं वर्षगांठ मनाएगी। मध्य प्रदेश में काम करते हुए संस्था को सरकार और समुदाय का भरपूर समर्थन मिला है। वर्तमान में संस्था मध्य प्रदेश के अलीराजपुर, झाबुआ, बड़वानी और धार जिले में कार्यरत है। एजुकेट गर्ल्स की संस्थापिका और बोर्ड सदस्य सफीना हुसैन ने कहा, 'पिछले 15 सालों का सफर हमारे लिए प्रेरणादायक रहा है, इसके लिए हमारी सभी टीम बालिकाओं को बड़ा श्रेय जाता है। उन्होंने जो सफलता हासिल की है, उस पर हमें बहुत गर्व है। हमें टीम बालिकाओं को और भी ज्यादा सशक्त बनाकर यह सुनिश्चित करना होगा कि हर लड़की स्कूल में जाएं और अच्छी तरह से सीखें, ताकि हमारा लक्ष्य प्राप्त हो सके। 5 दिसंबर को एजुकेट गर्ल्स परिवार के लगभग 2,500 कर्मचारी, डोनर्स, सरकारी अधिकारी और 18,000 से अधिक टीम बालिका साथी संस्था के 15 साल के जश्न को मनाने के लिए एक साथ आएंगे। एजुकेट गर्ल्स की भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तार से बताते हुए संस्था के सीईओ महर्षि वैष्णव ने कहा, 'इन 15 सालों में एजुकेट गर्ल्स ने जो कुछ हासिल किया है, उसके लिए मैं हमारे फील्ड चैंपियन को सलाम करता हूँ, जिन्होंने लड़कियों को स्कूल वापस लाने के लिए अधिकांश ग्रामीण, दूरस्थ और हाशिए के समुदायों में 1.5 करोड़ घरों तक पहुँचने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। हम अगले कुछ वर्षों में 16 लाख लड़कियों को स्कूल वापस लाने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरकार और समुदायों के साथ सहयोग करने के लिए तत्पर हैं।

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया 'एक्सिस लॉन्ग ड्यूरेशन फंड'

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत में सबसे तेजी से बढ़ते फंड हाउसों में से एक एक्सिस म्यूचुअल फंड ने अपने नए फंड ऑफर - एक्सिस लॉन्ग ड्यूरेशन फंड के लॉन्च की घोषणा की। यह एक ओपन-एंडेड डेट स्कीम है, जो इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करती है जैसे कि पोर्टफोलियो की मैकेले ड्यूरेशन 7 वर्ष से अधिक है; अपेक्षाकृत उच्च ब्याज दर जोखिम और अपेक्षाकृत कम ऋण जोखिम। नया फंड निफ्टी लॉन्ग ड्यूरेशन डेट इंडेक्स ए-III को ट्रैक करेगा। एक्सिस लॉन्ग ड्यूरेशन फंड के लिए एनएफओ 7 दिसंबर, 2022 को खुलेगा और 21 दिसंबर, 2022 को बंद होगा। इसके अतिरिक्त, फंड का प्रबंधन श्री देवांग शाह, श्री कौस्तुभ सुले और श्री हार्दिक शाह द्वारा किया जाएगा और न्यूनतम निवेश राशि होगी 5,000 रुपए और उसके बाद 1 रुपए के गुणकों में निवेश किया जा सकता है। एक्सिस लॉन्ग ड्यूरेशन फंड का प्राथमिक निवेश उद्देश्य मध्यम स्तर के जोखिम के अनुरूप बेहतर रिटर्न उत्पन्न करना है। इस आय को पोर्टफोलियो की पूंजी वृद्धि से पूरित किया जा सकता है। चूंकि मौजूदा फंड पोजिशनिंग का उद्देश्य लंबी अवधि की सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करना और उन्हें होल्ड करना है, इसलिए एक्सिस लॉन्ग ड्यूरेशन फंड का इस्तेमाल रिटायरमेंट के समय लॉन्ग टर्म इनकम सॉल्यूशन बनाने और स्ट्रक्चर करने के लिए किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, पिछले 20 वर्षों में लॉन्ग बॉन्ड यील्ड काफी हद तक स्थिर और मुद्रास्फीति के स्तर से ऊपर रहे हैं और ऐतिहासिक रूप से मुद्रास्फीति के ऊपर बाजार से जुड़े रिटर्न की पेशकश करते हैं।

ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज़ और फ्रेंच चीज़ निर्माता बेल ग्रुप ने

भारतीय उपभोक्ताओं को विश्व स्तरीय चीज़ उत्पाद प्रदान करने के लिए संयुक्त उपक्रम

''ब्रिटानिया'' और ''द लॉफिंग काउ'' ट्रेडमार्क का इस्तेमाल कर को-ब्रांड किया जाएगा

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत की अग्रणी फूड कंपनी, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड और मशहूर फ्रेंच चीज़ निर्माता एवं हैल्दी स्नैकिंग की दिग्गज कंपनी, बेल ने घोषणा की है कि उन्होंने भारतीय उपभोक्ताओं को पोषणयुक्त, स्वादिष्ट और आसानी से उपलब्ध चीज़ उत्पाद प्रदान करने के लिए एक संयुक्त उपक्रम बनाया है। ब्रिटानिया की पूर्ण अधिग्रहीत सब्सिडियरी बीडीपीएल (ब्रिटानिया डेयरी प्राईवेट लिमिटेड) में बेल 49 प्रतिशत अंश हासिल करेगा। इसके बाद इस इकाई का नाम 'ब्रिटानिया बेल फूड्स प्राईवेट लिमिटेड' रख दिया जाएगा।

फिर चीज़ उत्पाद इस संयुक्त उपक्रम की रंजनगाँव, महाराष्ट्र में स्थित नई व अत्याधुनिक प्लांट में बनाए जाएंगे। यह प्लांट क्षेत्र में स्थानीय किसानों से दूध एकत्रित करने के लिए बैकवर्ड-इंटीग्रेटेड है। यहाँ बनाए जाने वाले उत्पादों को ''ब्रिटानिया'' और ''द लॉफ़िंग काउ'' ट्रेडमार्क का इस्तेमाल कर को-ब्रांड किया जाएगा और देश में तेजी से बढ़ती हुई चीज़ की श्रेणी का लाभ उठाने के लिए इनोवेटिव फॉर्मेट्स में प्रस्तुत किया जाएगा। इस संयुक्त उपक्रम का सीईओ अभिषेक सिन्हा, चीफ बिज़नेस ऑफिसर, डेयरी बिज़नेस, ब्रिटानिया को बनाया गया है। इस संयुक्त उपक्रम में बेल ग्रुप की सदियों पुरानी विरासत और प्रतिष्ठित ग्लोबल ब्रांड, द लॉफ़िंग काउ के तहत इनोवेटिव एवं स्वादिष्ट चीज़ उत्पाद प्रदान करने के ज्ञान के साथ ब्रिटानिया के भरोसे, गुणवत्ता, और वितरण नेटवर्क एवं भारतीय बाजार के ज्ञान का मिलन हुआ है, ताकि देश में चीज़ उद्योग का विस्तार हो सके। संयुक्त उपक्रम में बेल ग्रुप और ब्रिटानिया मिलकर दोनों कंपनियों की सामरिक सहभागिता की मदद से भारत में नए विकसित चीज़ बाजार में तेजी लाने के लिए सर्वश्रेष्ठ परिस्थितियों का निर्माण करेंगे। ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज़ के पास संयुक्त उपक्रम कंपनी में 51 प्रतिशत अंश होगा, जबकि बेल ग्रुप के पास 49 प्रतिशत अंश होगा। इस संयुक्त उपक्रम के बारे में वरुण बेरी, एग्ज़िक्यूटिव वाईस-चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज़ ने कहा, ''बेल ग्रुप के साथ ब्रिटानिया की साझेदारी द्वारा उपभोक्ता भारत में निर्मित अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता के चीज़ उत्पादों का आनंद ले सकेंगे। एक घरेलू भारतीय कंपनी के रूप में हमें प्रधानमंत्री जी के आत्मनिर्भर भारत के उद्देश्य का अभिन्न हिस्सा होने पर गर्व है क्योंकि हम भारत के लोगों के लिए पूरी दुनिया के सबसे स्वादिष्ट, पोषणयुक्त और आसानी से उपलब्ध उत्पादन बनाते हैं। हम उपभोक्ताओं को दिन के हर समय चीज़ का स्वादिष्ट अनुभव प्रदान करेंगे, जिससे चीज़ खाने के और ज्यादा अवसर निर्मित होंगे। इस संयुक्त उपक्रम द्वारा महाराष्ट्र के दूध किसानों को पिछले तीन सालों में काफी वृद्धि कर चुके हमारे ज्यादा पैदावार वाले दूध एकत्रीकरण अभियान द्वारा बाजार की स्थिर व ज्यादा पहुँच मिलेगी।''

फ्लिपकार्ट की शॉप्सी एप्प को गूगल प्ले से मिला अवार्ड

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत के सबसे तेजी से बढ़ रहे हाइपरवैल्यू ई-कॉमर्स प्लेटफार्म शॉप्सी को गूगल प्ले बैस्ट ऑफ यूज़र्स च्वॉइस अवार्ड से सम्मानित किया गया। देशभर से यूज़र्स ने शॉप्सी को विजेता चुना है इसके अनूठे शॉपिंग फीचर्स अभूतपूर्व अनुभव और पर्सनलाइजेशन जैसे अनुभवों के चलते ही शॉप्सी को इस कैटेगरी में विजेता चुना गया है। ऑनलाइन शॉपिंग को ग्राहकों के लिए सुविधाजनक और किफायती बनाने के मकसद से शॉप्सी को जुलाई 2021 में लॉन्च किया गया था। आदर्श मेनन सीनियर वाइस प्रेसीडेंट एंड हैड न्यू बिज़नेस फ्लिपकार्ट ने कहा हम गूगल प्ले बैस्ट ऑफ यूज़र्स च्वॉइस अवार्ड प्राप्त करते हुए खुशी महसूस कर रहे हैं। शॉप्सी के जरिए हम भारत को समर्थ बनाकर टी2$ ग्राहकों को ऑनलाइन लाने का इरादा रखते हैं। शॉप्सी ग्राहकों के लिए किफायती दाम पर ढेरों किस्म के प्रोडक्ट्स की विस्तृत रेंज उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयासरत है और साथ ही उनके लिए वैल्यू आधारित तथा भरोसेमंद प्लेटफार्म भी साबित हुआ है शॉप्सी ने ऐसी कम्युनिटी तैयार करने की अपनी प्रतिबद्धता पर खरा उतरने का प्रयास किया है जो देश में सभी के लिए कॉमर्स का बराबरी का धरातल तैयार करना चाहता है जुलाई 2021 में अपने लॉन्च के समय से ही शॉप्सी का इरादा जीरो-कमिशन मार्केटप्लेस की सुविधा उपलब्ध कराते हुए देशभर में डिजिटल कॉमर्स को सभी के लिए सुलभ बनाना है। आज यह प्लेटफार्म देशभर में 800$ से अधिक श्रेणियों में 150 मिलियन प्रोडक्ट्स तक पहुंच आसान बना रहा है।

एनरिच ने इंदौर में अपना पहला वन स्टॉप ब्यूटी डेस्टिनेशन शुरू किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

मुंबई में अपने नए फॉर्मेट वाले स्टोर्स की कामयाबी के बाद भारत के सबसे बड़े घरेलू ब्यूटी सर्विसेज ब्रांड एनरिच ने इंदौर के मशहूर फीनिक्स सिटाडेल मॉल में अपना वन स्टॉप ब्यूटी डेस्टिनेशन कॉन्सेप्ट शुरू किया है। 2455 वर्ग फीट की विशाल जगह में फैला यह स्टोर स्किनहेयर, पर्सनल केयर, बाथ एंड बॉडी, फ्रैगरेंस और मेन्स ग्रूमिंग के क्षेत्र में डी2सी ब्रांडों के व्या पक संग्रह के साथ एक संपूर्ण ब्यूरटी अनुभव की पेशकश की है। साथ ही एक ही जगह पर प्रोफेशनल ब्यूटी सर्विसेज भी मिलेंगी।

श्री सुमंत अरोड़ा डायरेक्टर एनरिच ब्यूटी का कहना है हम ग्राहकों को शॉपिंग का ऐसा अनुभव देते हैं, जिसमें सभी ब्यूटी कैटेगरी से अपने पसंदीदा ब्रांड्स से खरीदारी करने और एक ही छत के नीचे ब्यूटी सर्विसेज लेने का अनुभव भी शामिल है। यह स्टोर इस तरह से डिजाइन किया गया है कि शॉपिंग का बेहतरीन अनुभव मिले, साथ ही लॉयल्टी का फायदा भी मिलेगा ताकि सौंदर्य प्रसाधनों की अपनी खरीदारी करने का ग्राहकों का अनुभव बदल जाए। हमारा लक्ष्य, एक सचेत और स्थायी ब्यूटी स्किनकेयर विकल्प प्रदान करना है, जोकि हमारे ग्राहकों की पहुंच में हो और किफायती हो।

इस स्टोर में 500 से अधिक उत्पादों की सूची के साथ 50$ ब्रांड हैं जिनमें यवेस सेंट लॉरेंट, जियोर्जियो अरमानी, बरबेरी, वर्साचे, केल्विन क्लेन, इस्से मियाके, ह्यूगो बॉस, डोल्से और गबाना, जिमी चू, डेविडऑफ, कोच जैसे लक्जरी ब्रांड , मोंटब्लैंक, गेस, मर्सिडीज, डीजल और कई अन्य शामिल हैं।

जेनरेशन ज़ेड के लोकप्रिय मेकअप ब्रांड जैसे ला मियोर पिंकी गोट, लॉरिअल पेरिस, एनवाईएक्स, मेबेलिन, शिसीडो, चैम्बीर, लैक्मे, ओपीआई, ब्लूस्की के अलावा क्लीन स्किनेयर और क्लीन हेयरकेयर ब्रांड जैसे रेमी लॉर, बॉर्न एथिकल, ह्यूमनऋ काइंड, लॉरिअल प्रोफेशनल, केरास्टेस, ओलाप्लेक्स, रूट डीप, डिफबुलस, अमेजॉन सीरीज, डायसन, क्यूओडी प्रोफेशनल, ब्यूटी गैराज (बोटोप्लेक्स) भी हैं।

ड्यूरोफ्लेक्स ने बेहतर नींद के लिए एक शानदार उत्पाद वेव प्लस की पेशकश की

इंदौर। एजेंसी

भारत का प्रमुख स्लीप सोल्यूशंस प्रोवाइडर ड्यूरोफ्लेक्स नए-नए प्रॉडक्ट्स का आविष्कार करने के मामले में हमेशा से आगे रहा है इसी विजन को आगे बढ़ाने और भारतीयों को बेहतर भरी नींद का अनुभव कराने के लिए कंपनी ने ड्यूरोफ्लेक्स वेव प्लस लॉन्च किया है यह एक बेहद फंक्शनल एडजस्ट करने योग्य स्मार्ट बेड है जिसका उद्देश्य हर किसी को अच्छी नींद लेने में मदद करना है अपनी नई वेलनेस पेशकश के साथ ड्यूरोफ्लेक्स न केवल लोगों को गुणवत्तापूर्ण नींद देने के अपने मिशन के प्रति समर्पित है बल्कि यह लोगों की सेहत और तंदुरुस्ती में भी सुधार कर रहा है।

ड्यूरो फ्लेक्स के चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर श्री मोहनराज जे. ने बताया हम ड्यूरोफ्लेक्स वेव प्लस लॉन्च करके काफी खुश हैं यह प्रॉडक्ट यूजर्स को शानदार नींद का अनुभव प्रदान करता है एक ब्रैंड के तौर पर हम लगातार दुनिया की उन बेहतरीन स्लीप टेक्नोलॉजी को आगे ला रहे हैं जिससे भारतीय को गहरी नींद का अहसास दिलाने में मदद की जा सके। कंपनी ने इससे पहले पूरी तरह आधुनिक शोध पर आधारित गद्दे लॉन्च किए थे इसके बाद कंपनी ने यह फैसला किया कि यह समय अच्छी और आरामदाक नींद लेने का लोगों का अनुभव बढ़ाने के लिहाज से परफेक्ट

है हमारी नई पेशकश ड्यूरोफ्लेक्स वेव प्लस एडजस्ट किए जाने योग्य स्मार्ट बेड है जो यूजर्स की जरूरत के अनुसार किसी भी करवट आरामदायक नींद लेने में मदद करेगा। इस बेड को आप किसी भी तरह से इस्तेमाल कर सकते हैं दूसोने के लिए, बैठने के लिए, या सिर्फ खुद को रिलैक्स करने के लिए। वेक्टर ब्रैंड सोल्यूशन के चीफ बिजनेस ऑफिसर पॉल ड्यूमैन ने कैंपेन के बारे में बताते हुए कहा ड्यूरोफ्लेक्स वेव के स्लीप सिस्टम ने भविष्य में बेहतरीन स्लीप सोल्यूशंस को लॉन्च करने की राह खोली है। हमारी टीम ने स्पष्ट सोच के साथ अभियान चलाया कि वेव स्लीप सोल्यूशन अपनी तरह का पहला सोल्यूशन है। इस ऐड कैंपेन को इस अंदाज में लोगों के सामने पेश किया जाए, जो लोगों के लिए बिल्कुल नया हो। इसलिए इस ऐड फिल्म को कहानी सुनाने के स्टाइल में बनाया गया है। मैं इस कैंपेन के नतीजों से काफी खुश हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि यह कैंपेन ब्रैंड और बिजनेस दोनों के लक्ष्यों को पूरा करेगी।

नया तकनीक से लैस ड्यूरोफ्लेक्स वेव प्लस आरामदायक गहरी नींद देने और उनके नींद के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए मल्टीफंक्शनल मोड्स से लैस है। ये बेड दिन भर की थकान के बाद किसी भी व्यक्ति को गहरी नींद में सोने में मदद करते हैं। इसके लिए उन्हें बेड पर सोने से पहले केवल रिमोट का बटन दबाना होता है या मोबाइल ऐप का इस्तेमाल करना होता है। इस लक्जरी बेड में तीन मसाज मोड और दो मेमोरी प्रीसेट हैं, जिससे यूजर्स अपनी जरूरत के अनुसार अपने सोने की पोजीशन को कस्टमाइज कर सकते हैं।

भारत की सबसे बड़ी रिटेल फाइनेंस एनबीएफसी - अब श्रीराम फाइनेंस

वृद्धि की रणनीति का किया ऐलान - खुद का रोजगार करने वालों और छोटे कारोबारियों की इकोनॉमी का वाहक बनना

मुंबई। एजेंसी

वाणिज्यिक वाहनों के लिए कर्ज देने वाली सबसे बड़ी कंपनी श्रीराम ट्रांसपोर्ट फाइनेंस कंपनी और दोपहिया वाहनों के लिए कर्ज देने वाली सबसे बड़ी कंपनी और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्योगों (एमएसएमई) को कर्ज देने के मामले में अग्रणी कंपनियों में शुमार श्रीराम सिटी यूनियन फाइनेंस के विलय के साथ श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड (श्रीराम फाइनेंस) का गठन हुआ है। श्रीराम फाइनेंस एक डाइवर्सिफाइड कंपनी होगी जो 40,900 करोड़ रुपये के मजबूत नेटवर्थ और 1,71,000 करोड़ रुपये के एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) के साथ देश के 67 लाख ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करेगी. कंपनी की वृद्धि की रणनीति स्वरोजगार करने वालों और एमएसएमई इकोनॉमी को गति देने

SHRIRAM Finance

पर केंद्रित होगी। श्रीराम को लंबे समय से अपनी सेवाएं दे रहे उमेश रेवनकर विलय के बाद बनने वाली कंपनी के एग्जीक्यूटिव वाइस चेयरमैन होंगे। इस विलय पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा, 'यह 43 साल की यात्रा की स्वाभाविक परिणति है. विलय के जरिए बैलेंस शीट को मिलने वाली मजबूती के साथ हम मार्केट की जरूरतों को पहले से ज्यादा बेहतर तरीके से पूरा कर सकते हैं। ग्राहकों पर ध्यान देने वाली कंपनी के तौर पर हम और प्रोडक्ट्स ला सकते हैं और जल्द-से-जल्द क्रेडिट हासिल करने में उनकी मदद कर सकते हैं। हमने दक्षता और ग्राहक सेवा के स्तर को बेहतर बनाने के लिए टेक्नोलॉजी में बहुत अधिक निवेश किया है. हम लगातार दोहरे अंकों में ग्रोथ को लेकर आशान्वित हैं।'

श्रीराम फाइनेंस के एमडी और सीईओ वाईएस चक्रवर्ती ने कहा, 'विलय के लिए जो समय चुना गया है, वो शानदार है. चूंकि भारत प्रगति कर रहा है और हम श्ए्रें के बीच कर्ज की मजबूत मांग दे रहे हैं. हम 3600 से अधिक लोकेशन के साथ हमारे बाजार के करीब रहे हैं. कॉमर्शियल वाहनों के लिए कर्ज उपलब्ध कराना, एमएसएमई, पर्सनल लोन, गोल्ड लोन या व्हीकल लोन सहित हमारे सभी बिजनेस सेग्मेंट वृद्धि हासिल करने के लिए तैयार हैं.' श्रीराम फाइनेंस ने जुगल किशोर महापात्रा को कंपनी का चेयरमैन और माया सिन्हा को स्वतंत्र निदेशक नियुक्त करने का भी ऐलान किया है।

कोलगेट मैक्सफ्रेश ने चारकोल और वाटरग्रीन मिंट के साथ सर्वाधिक ताजगी प्रस्तुत की

कूलिंग क्रिस्टल्स के साथ अद्वितीय ब्लैक जेल टूथपेस्ट

भारत। आईपीटी नेटवर्क

ओरल केयर में मार्केट लीडर, कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) लिमिटेड ने ब्रांड एम्बेसडर रनवीर सिंह के साथ एक एड कैम्पेन द्वारा अपने जेल-बेस्ड कोलगेट मैक्सफ्रेश टूथपेस्ट का ऑल-न्यू 'चारकोल' वैरिएंट पेश किया। इस टूथपेस्ट में कूलिंग क्रिस्टल्स हैं, जो केवल मैक्सफ्रेश रेंज में मिलते हैं। मैक्सफ्रेश चारकोल टूथपेस्ट में न केवल क्लीनिंग की बेहतर क्षमता है, बल्कि बैंबू चारकोल के साथ विंटरग्रीन मिंट का ताजगीभरा स्वाद भी है। इससे बेहतरीन ताजगी मिलती है और मुँह तरोताजा, एवं व्यक्ति में ऊर्जा बनी रहती है। कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) लिमिटेड के वाईस प्रेसिडेंट, श्री अरविंद चिंतामणि ने कहा, ''हम नया मैक्सफ्रेश चारकोल टूथपेस्ट लॉन्च करने के लिए बहुत उत्साहित हैं। इसमें कूलिंग क्रिस्टल और क्लीनसिंग पॉवडर है, जो आपको सोकर उठने के बाद नई ऊर्जा का अहसास प्रदान करते हैं। रनवीर सिंह के साथ फिर से साझेदारी बहुत उत्तम है क्योंकि वो दिन की शुरुआत मैक्सफ्रेश चारकोल टूथपेस्ट की ताजगी के साथ करते हैं, और दर्शकों को ''वेक-अप मैक्स, लिव-अप मैक्स'' की प्रेरणा देते हैं।'' कोलगेट मैक्सफ्रेश चारकोल टूथपेस्ट आकर्षक ब्लैक और रेड स्टाईलाईज़्ड पैक में आता है। यह वैरिएंट चार आकारों, 30 ग्राम, 65 ग्राम, 130 ग्राम, और 260 ग्राम में उपलब्ध है। कोलगेट मैक्सफ्रेश का भारत में दो दशक पुराना इतिहास है, और यह कोलगेट के सबसे ज्यादा बिकने वाले टूथपेस्टों में से एक है। यह 10 करोड़ से ज्यादा परिवारों को एडवांस्ड ब्रेथ-फ्रेशनिंग टेक्नॉलॉजी का अनुभव प्रदान करता है। कोलगेट मैक्सफ्रेश ऑफलाईन और ऑनलाईन चैनलों पर अनेक बेहतरीन टूथपेस्ट एवं माउथवॉश उपलब्ध कराता है।

सोनी WH-1000XM5 सर्वश्रेष्ठ नॉइज़ कैंसिलिंग हेडफ़ोन में से एक है

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

सोनी WH-1000XM5, लोकप्रिय और सबसे ज़्यादा बिकने वाले WH-1000XM4 का परवर्ती है, जिसे हाल ही में भारत में लॉन्च किया गया। सोनी के नए वायरलेस हेडफ़ोन एक नया डिज़ाइन और उद्योग में अग्रणी नॉइज़ कैंसिलिंग अनुभव लाते हैं। WH-1000XM5 के साथ सबसे बड़ा बदलाव एक पूर्ण रीडिज़ाइन के रूप में आता है और पिछली 1000X सीरीज़ से अलग दिखता है। WH-1000XM5 का हेडबैंड अपने पूर्ववर्ती की तुलना में पतला है और अब एक ही धातु है जो दोनों तरफ ईयर कप को पकड़े हुए है। यह नया स्वरूप WH-1000XM5 को पहनने में अधिक आरामदायक बनाता है लेकिन XM4s द्वारा पेश की जाने वाली गतिशीलता को प्रभावित करता है। न्यूनतावाद और सभ्य डिजाइन का मतलब है कि ईयर पैड थोड़े चौड़े हैं और मेमोरी फोम सामग्री भी समग्र आराम में सुधार करती है। ईयर कप अभी भी अपने पूर्ववर्ती की तरह ही धुरी और मुड़ते हैं लेकिन वे अब और नहीं मुड़ते हैं। वे वियरिंग डिटेक्शन को सपोर्ट करते हैं जिससे हेडफ़ोन पर इंस्टेंट पॉज़ और इंस्टेंट प्ले सक्षम हो जाता है।WH-1000XM5 के साथ, Sony विस्तारित आराम और प्रीमियम डिजाइन के बीच संतुलन बना रहा है। 1000XM5 के साथ एक और बदलाव सोनी का XM4 में 40mm ड्राइवर से अच्छी ध्वनि गुणवत्ता और ANC प्रदान करने वाले नए 30mm ड्राइवर पर स्विच करने का निर्णय है। हालांकि यह स्विच बड़ा नहीं है, यह साउंड प्रोफाइल में थोड़ा बदलाव लाता है। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन XM5 की अधिक विवरण को सबसे आगे लाने की क्षमता के साथ दिखाई देता है। वे इस सेगमेंट में सबसे प्राकृतिक ध्वनि वाले हेडफ़ोन में से एक हैं। सोनी WH-1000XM5 एक परिष्कृत, विस्तृत ध्वनि प्रोफ़ाइल लाने के साथ-साथ शानदार ध्वनि भी देता है। आप XM4 की प्रभावशाली ध्वनि प्रोफ़ाइल लाने के लिए Android और iOS पर उपलब्ध Headphones Connect ऐप का भी उपयोग कर सकते हैं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।